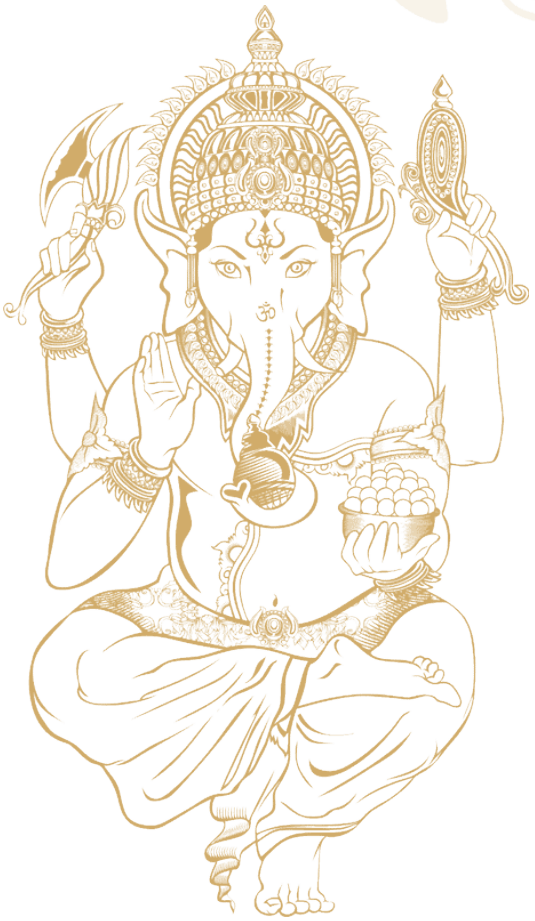

Yash gurugram

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121529407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/03/1997	जन्म तिथि	12/09/1998
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:40:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 07:14:50	जन्म समय(घटी)	31:13:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:03	सूर्योदय	06:10:53
18:30:14	सूर्यास्त	18:33:42
23:49:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 0मा 17दि राहु 24/03/2013 24/03/2031		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि राहु 26/01/2009 26/01/2027	
राहु	05/12/2015	19:06:10	मेष	लग्न	कुंभ	29:03:40	राहु	09/10/2011
गुरु	29/04/2018	21:48:44	कुंभ	सूर्य	सिंह	25:44:02	गुरु	04/03/2014
शनि	05/03/2021	11:16:08	मक	चंद्र	वृष	18:50:10	शनि	08/01/2017
बुध	23/09/2023	07:06:31	कन्या व	मंगल	कर्क	20:39:21	बुध	28/07/2019
केतु	10/10/2024	16:56:19	कुंभ	बुध	सिंह	14:01:36	केतु	15/08/2020
शुक्र	11/10/2027	16:06:02	मक	गुरु व	कुंभ	29:41:41	शुक्र	15/08/2023
सूर्य	04/09/2028	04:56:22	कुंभ	शुक्र	सिंह	13:15:55	सूर्य	09/07/2024
चन्द्र	06/03/2030	13:03:24	मक	शनि व	मेष	09:08:01	चन्द्र	08/01/2026
मंगल	24/03/2031	05:17:13	मक	राहु व	सिंह	07:31:05	मंगल	26/01/2027
		11:46:59	वृश्चि	केतु व	कुंभ	07:31:05		
				हर्ष व	मक	15:29:45		
				नेप व	मक	05:46:21		
				प्लूटो	वृश्चि	11:39:57		

लग्न-चलित

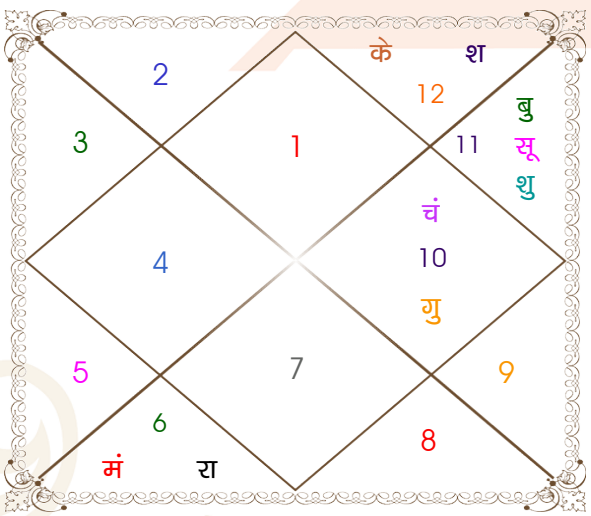

लग्न-चलित

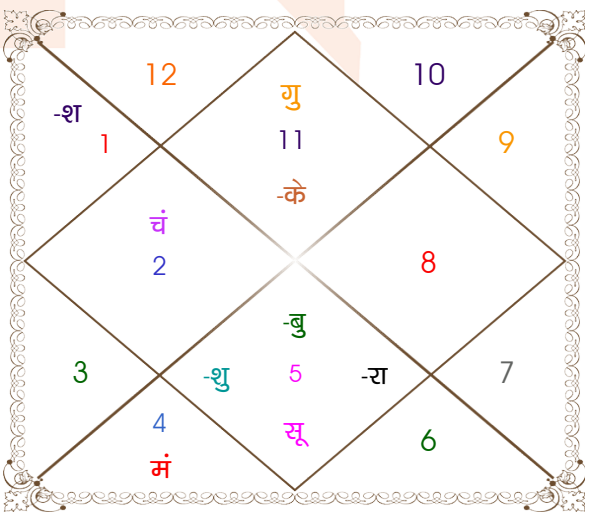

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूV दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि लैे हनतनहतंउ का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि V का नक्षत्र रोहिणी है।

लैे हनतनहतंउ का वर्ग मार्जार है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार लैे हनतनहतंउ और V का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे हनतनहतंउ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

लैे हनतनहतंउ तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।